एक मधुर सरप्राइज़™
के लिए पूर्व-तैयारी सत्संग

शब्दावली

कुण्डलिनी शक्ति
देवी कुण्डलिनी; साथ ही मानव में आध्यात्मिक विकास-क्रम की शक्ति। इस आध्यात्मिक शक्ति के सुप्त रूप को, मेरुदण्ड के मूल में, कुण्डलाकार में दर्शाया जाता है*[कुण्डलिनी* यानी "कुण्डल के आकार की"]। जब यह एक सिद्धयोग गुरु द्वारा जाग्रत व नियन्त्रित की जाती है और साधक द्वारा अनुशासित प्रयत्न से पोषित की जाती है, तब यह शक्ति साधक के अस्तित्व का सभी स्तरों पर शुद्धिकरण करती है और साधक को उसके दिव्य स्वरूप का स्थायी अनुभव प्रदान करती है।

सद्गुरुनाथ महाराज की जय
सिद्धयोग परम्परा में प्रायः किसी भी कार्य के प्रारम्भ में तथा समाप्ति पर मांगल्य का आवाहन करने के लिए और कृतज्ञता अर्पित करने हेतु, श्रीगुरु की स्तुति में यह हिन्दी वाक्यांश गाया जाता है।

साधना
आध्यात्मिक अभ्यास; वह जो सीधे लक्ष्य प्राप्ति की ओर ले जाए; कुछ पूरा करने का, निष्पादित करने का उपाय। सिद्धयोग विद्यार्थियों की साधना में सम्मिलित है, ध्यान, नामसंकीर्तन, सेवा व दक्षिणा जैसे सिद्धयोग के मूलभूत अभ्यासों के साथ सजगता और शिस्तबद्धता से संलग्न रहना, साथ ही सिद्धयोग सिखावनियों का एकाग्र मन से अध्ययन व चिन्तन करना; सिद्धयोग साधना का लक्ष्य है आध्यात्मिक रूपान्तरण, जो मुक्ति की ओर ले जाता है।

एस. वाय. डी. ए. फ़ाउण्डेशन
एस. वाय. डी. ए. फ़ाउण्डेशन एक लाभ निरपेक्ष संस्था है जिसकी स्थापना १९७३ में की गयी थी। एस. वाय. डी. ए. फ़ाउण्डेशन का कार्य है -- सिद्धयोग की सिखावनियों को सुरक्षित रखना, उनका परिरक्षण करना व उनका प्रसार करने में सहायता करना। एस. वाय. डी. ए. फ़ाउण्डेशन, विश्वभर के सिद्धयोगियों के लिए सिद्धयोग अध्ययन व शिक्षण सत्रों की, और साधना के लिए विभिन्न साधनों की रचना करता है व उन्हें निर्मित करता है।

© २०१३ एस.वाय.डी.ए. फ़ाउण्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।
सिद्धयोग, और एक मधुर सरप्राइज़ अनेक देशों के लिए, एस.वाय.डी.ए. फ़ाउण्डेशन® का पंजीकृत व्यापार चिह्न हैं।